भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति

तारीखः 01 अक्टूबर, 2025

जारी करने का समय: 1345 घंटे

विषय: (i) पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर दबाव के संभावित निर्माण के प्रभाव में, 02-05 अक्टूबर के दौरान पूर्वी भारत में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है, जबकि 02 अक्टूबर को ओडिशा में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा हो सकती है।

(ii) 05-07 अक्टूबर के दौरान एक नया तीव्र पश्चिमी विक्षोभ उत्तर-पश्चिम भारत को प्रभावित कर सकता है, जिसकी अधिकतम तीव्रता 06 अक्टूबर को होगी।

पिछले 24 घंटों में 01 अक्टूबर, 2025 को सुबह 08:30 बजे IST तक का मौसम विवरण:

- असम, नागालैंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और पूर्वी राजस्थान में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (7-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- अरुणाचल प्रदेश, गंगीय पश्चिम बंगाल, निकोबार द्वीप समूह, झारखंड, पश्चिमी राजस्थान, मध्य प्रदेश, दिल्ली और तटीय कर्नाटक में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

पिछले मौसम की अधिक जानकारी के लिए, कृपया **अनुलग्नक I** देखें।

दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी:

- दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी रेखा 20°N/69°E, वेरावल, भरूच, उज्जैन, झांसी, शाहजहांपुर और 30°N/81°E से होकर गुजरती है। **(अनुलग्नक II)**

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुलग्नक III और IV देखें):

- पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी और उसके आसपास के क्षेत्रों में चक्रवाती परिसंचरण के प्रभाव में, 30 सितंबर को 1730 बजे भारतीय मानक समय पर मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक निम्न दाब का क्षेत्र बना है। यह आज सुबह 0530 बजे भारतीय मानक समय पर पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक सुस्पष्ट निम्न दाब क्षेत्र में परिवर्तित हो गया और आज, 1 अक्टूबर 2025 को सुबह 0830 बजे भारतीय मानक समय पर उसी क्षेत्र में स्थित रहा। अगले 12 घंटों के दौरान इसके उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ते रहने और उसी क्षेत्र में एक अवदाब में परिवर्तित होने की संभावना है। उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर आगे बढ़ते हुए, इसके और तीव्र होकर एक गहरे अवदाब में परिवर्तित होने और 3 अक्टूबर की सुबह दक्षिण ओडिशा-उत्तरी आंध्र प्रदेश के तटों को पार करने की संभावना है।
- कल कच्छ की खाड़ी और आसपास के क्षेत्रों में बना सुस्पष्ट निम्न दाब क्षेत्र आज, 01 अक्टूबर, 2025 को भारतीय समयानुसार सुबह 0830 बजे उत्तर-पूर्व अरब सागर और उससे सटे सौराष्ट्र तट पर स्थित है। इसके लगभग पश्चिम की ओर बढ़ने और

अगले 12 घंटों के दौरान उत्तर-पूर्व अरब सागर के ऊपर एक अवदाब में तब्दील होने की संभावना है। इसके बाद यह पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम की ओर उत्तर-पश्चिम अरब सागर की ओर बढ़ेगा।

- ❖ उत्तर-पूर्व अरब सागर और उससे सटे सौराष्ट्र तट पर सुस्पष्ट निम्न दाब क्षेत्र से जुड़े चक्रवाती परिसंचरण से एक द्रोणिका रेखा पूर्वी राजस्थान होते हुए निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर दक्षिण-पश्चिम उत्तर प्रदेश तक जाती है।
- ❖ एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण उत्तर-पूर्व असम और एक अन्य मध्य असम और उसके आसपास के क्षेत्रों में निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर स्थित है।
- ❖ एक नया तीव्र पश्चिमी विक्षोभ 04 अक्टूबर 2025 से उत्तर-पश्चिम भारत को प्रभावित करने की संभावना है।

इन प्रणालियों के प्रभाव में, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

पूर्व और मध्य भारत:

- 01 से 06 अक्टूबर तक उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, बिहार में; 01 से 04 अक्टूबर तक गंगा तटीय पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़; 02 से 04 अक्टूबर तक झारखंड; 01 से 03 अक्टूबर तक ओडिशा; 03 और 04 अक्टूबर को पश्चिम मध्य प्रदेश; 01, 03 और 04 अक्टूबर को पूर्व मध्य प्रदेश में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ बौछारें और कुछ स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। 02 और 03 अक्टूबर को गंगा तटीय पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़; 03 अक्टूबर को झारखंड, ओडिशा; 01, 03 और 04 अक्टूबर को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; 03 से 05 अक्टूबर तक बिहार में बहुत भारी बारिश की संभावना है।
- 02 अक्टूबर को ओडिशा में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी बारिश की संभावना है।
- अगले 2 दिनों तक अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में गरज के साथ तेज हवाएं (गति 40-50 किमी/घंटा) की संभावना; अगले 7 दिनों तक बिहार में; अगले 5 दिनों तक पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा में तेज हवाएं (गति 30-40 किमी/घंटा) की संभावना है।

उत्तर-पूर्व भारत:

- अगले 3-4 दिनों तक क्षेत्र में कई/कुछ स्थानों पर हल्की/मध्यम बारिश/गरज के साथ बौछारें और कुछ स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। 01 से 03 अक्टूबर तक असम और मेघालय में और 01 अक्टूबर को त्रिपुरा में बहुत भारी बारिश की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- 02 से 04 अक्टूबर तक तमिलनाडु में कई/कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ बौछारें और कुछ स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। 01 और 02 अक्टूबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है।
- 01 से 05 अक्टूबर तक तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा, तेलंगाना और तमिलनाडु में तेज सतही हवाएं (गति 30-40 किमी/घंटा) की संभावना है।

उत्तर-पश्चिम भारत:

- 01-04 के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत में छिटपुट वर्षा की संभावना है और उसके बाद 05-07 अक्टूबर के दौरान गरज और बिजली के साथ व्यापक से व्यापक वर्षा के साथ इसमें वृद्धि हो सकती है।
- 03-06 के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में; 06 और 07 को जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश; 01, 05 और 06 अक्टूबर को राजस्थान में छिटपुट भारी वर्षा की संभावना; 04 और 05 को पूर्वी उत्तर प्रदेश में; 06 को जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और 06 और 07 अक्टूबर को उत्तराखंड में बहुत भारी वर्षा की संभावना है।
- 05 और 06 को जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड में छिटपुट ओलावृष्टि की गतिविधि की भी संभावना है।

पश्चिम भारत:

- 01 और 02 अक्टूबर को सौराष्ट्र और कच्छ में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/गरज के साथ बौछारें और भारी बारिश की संभावना है। 04 अक्टूबर को मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा के घाट क्षेत्रों में भारी बारिश की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी: मछुआरों को निम्नलिखित क्षेत्रों में 01 से 06 अक्टूबर तक समुद्र में न जाने की सलाह दी जाती है:

अरब सागर:

- 01 से 06 अक्टूबर तक गुजरात तट पर; 01 से 03 अक्टूबर तक उत्तर-पूर्व और निकटवर्ती पूर्व-मध्य अरब सागर के कई हिस्सों में; 03 से 06 अक्टूबर तक पूरे उत्तर-पूर्व अरब सागर और निकटवर्ती, उत्तर-पश्चिम अरब सागर के कई हिस्सों, मध्य अरब सागर के कुछ हिस्सों में; 02 से 06 अक्टूबर तक सोमालिया तट और निकटवर्ती समुद्री क्षेत्रों में न जाएं।

बंगाल की खाड़ी:

- 01 से 04 अक्टूबर तक आंध्र प्रदेश तट पर, 04 अक्टूबर को उत्तर आंध्र प्रदेश तट पर; 01 से 02 अक्टूबर तक श्रीलंका तट पर, 01 से 04 अक्टूबर तक मन्नार की खाड़ी और निकटवर्ती कोमोरिन क्षेत्र में; 01 अक्टूबर को बंगाल की खाड़ी के अधिकांश हिस्सों में; 02 और 03 अक्टूबर को उत्तर, मध्य और निकटवर्ती दक्षिण बंगाल की खाड़ी में; 04 अक्टूबर को पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों और उत्तर बंगाल की खाड़ी के अधिकांश हिस्सों में; 01 से 05 अक्टूबर तक ओडिशा, पश्चिम बंगाल, बांग्लादेश तटों के साथ और आसपास; 01 से 04 अक्टूबर तक म्यांमार तट पर; 01 से 03 अक्टूबर तक अंडमान सागर में न जाएं।

ii. 01 से 04 अक्टूबर 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक V)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:
https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php
जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक I

वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):

- **नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा:** मंगकोलेम्बा (जिला मोकोकचुंग) 19; बागफा (जिला दक्षिण त्रिपुरा) 18; बेलोनिया (जिला दक्षिण त्रिपुरा), बेलोनिया एआरजी (जिला दक्षिण त्रिपुरा) 14 प्रत्येक; गंडेचेर्रा (जिला धलाई) 11; तुली एनएसडीएमए एडब्ल्यूएस (जिला मोकोकचुंग) 9; तेलियामुरा एआरजी (जिला खोवाई), अमरपुर एआरजी (जिला गोमती) 8 प्रत्येक;
- **पश्चिमी उत्तर प्रदेश**: कालपी सीडब्ल्यूसी (जिला जालौन) 13; जसराना (जिला फिरोजाबाद), उरई (जिला जालौन) 9 प्रत्येक;
- **असम और मेघालय**: मोहनबाड़ी एडब्ल्यूएस (जिला डिब्रूगढ़) 12; डी/मोहनबाड़ी एपी (जिला डिब्रूगढ़) 11; तेजपुर (जिला सोनितपुर) 10; चौलधुवाघाट एआरजी (जिला लखीमपुर), बजाली एडब्ल्यूएस (जिला बजाली), सिलचर (जिला कछार) 7 प्रत्येक;
- **उप हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम**: रायगंज पीटीओ (जिला उत्तरी दिनाजपुर) 12;
- **पूर्वी राजस्थान**: विराटनगर सीनियर (जिला जयपुर) 12, सैपऊ सीनियर (जिला धौलपुर) 11, सरमथुरा सीनियर (जिला धौलपुर) 11, शाहपुरा सीनियर (जिला जयपुर) 10, सांगानेर तहसील सीनियर (जिला जयपुर) 10, बोनली (जिला सवाई माधोपुर) 10, चौमू (जिला जयपुर) 10, मांगलियावास सीनियर (जिला अजमेर) 9, मण्डरायल सीनियर (जिला करौली) 7, राजाखेड़ा (जिला धौलपुर) 7, जयपुर तहसील सीनियर (जिला जयपुर) 7,
- **तटीय कर्नाटक**: येल्लापुर (जिला उत्तर कन्नड़) 10;
- **अरुणाचल प्रदेश:** देवमाली एडब्ल्यूएस (जिला तिराप) 10; मियाओ (जिला चांगलांग) 7;
- **पश्चिम मध्य प्रदेश**: मुरैना-एडब्ल्यूएस (जिला मुरैना) 9; गोहद (जिला भिंड) 7;

- **पूर्वी उत्तर प्रदेश**: तिर्वा (जिला कन्नौज) 8; कन्नौज (टी) (जिला कन्नौज) 7;
- **दिल्ली**: आयानगर एडब्ल्यूएस (जिला दक्षिण दिल्ली), ढांसा (जिला दक्षिण पश्चिम दिल्ली), आया नगर (जिला दक्षिण दिल्ली) 7 प्रत्येक;
- **झारखंड**: हज़ारीबाग डीवीसी (जिला हज़ारीबाग) 7;
- **गांगेय पश्चिम बंगाल**: उलूबेरिया (जिला हावड़ा) 7;
- **अंडमान और निकोबार द्वीप समूह**: कार निकोबार (जिला निकोबार) 7.
- **पश्चिमी राजस्थान:** नावा (जिला नागौर) 7.

अनुलग्नक II

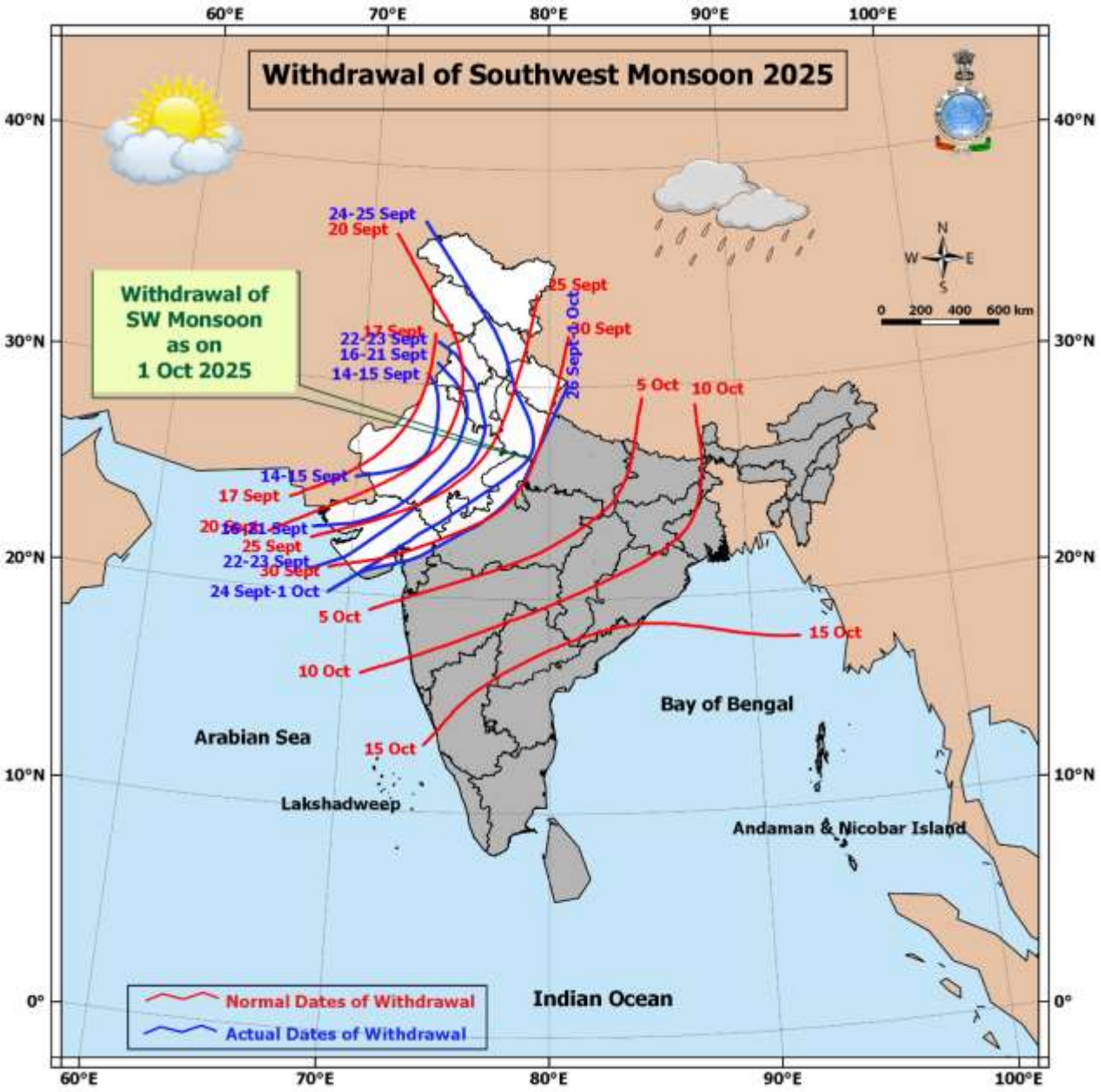

अनुलग्नक III

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	1- Oct	2- Oct	3- Oct	4- Oct	5- Oct	6- Oct	7- Oct
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	WS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
2	ARUNACHAL PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
3	ASSAM & MEHGHALAYA	WS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	WS	WS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	WS	WS	WS	WS	WS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	SCT
7	ODISHA	FWS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	SCT
8	JHARKHAND	FWS	WS	WS	WS	WS	FWS	SCT
9	BIHAR	SCT	FWS	FWS	WS	WS	FWS	SCT
10	EAST UTTAR PRADESH	ISOL	SCT	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT
11	WEST UTTAR PRADESH	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	FWS	SCT
12	UTTARAKHAND	ISOL	SCT	SCT	SCT	FWS	WS	WS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	FWS	WS	FWS
14	PUNJAB	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	FWS	WS	FWS
15	HIMACHAL PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	FWS	FWS	SCT
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	DRY	DRY	DRY	SCT	FWS	WS	WS
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	SCT
19	WEST MADHYA PRADESH	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT
20	EAST MADHYA PRADESH	SCT	FWS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
21	GUJRAT REGION	FWS	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS
22	SAURASHTRA & KUTCH	WS	WS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS
23	KONKAN & GOA	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
24	MADHYA MAHARASHTRA	ISOL	ISOL	SCT	FWS	ISOL	ISOL	ISOL
25	MARATHWADA	ISOL	SCT	SCT	FWS	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	FWS	WS	WS	WS	FWS	FWS	SCT
27	CHHATTISGARH	FWS	WS	WS	FWS	FWS	SCT	SCT
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
30	RAYALASEEMA	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	SCT	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL
35	KERALA AND MAHE	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
36	LAKSHADWEEP	SCT	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT

• **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

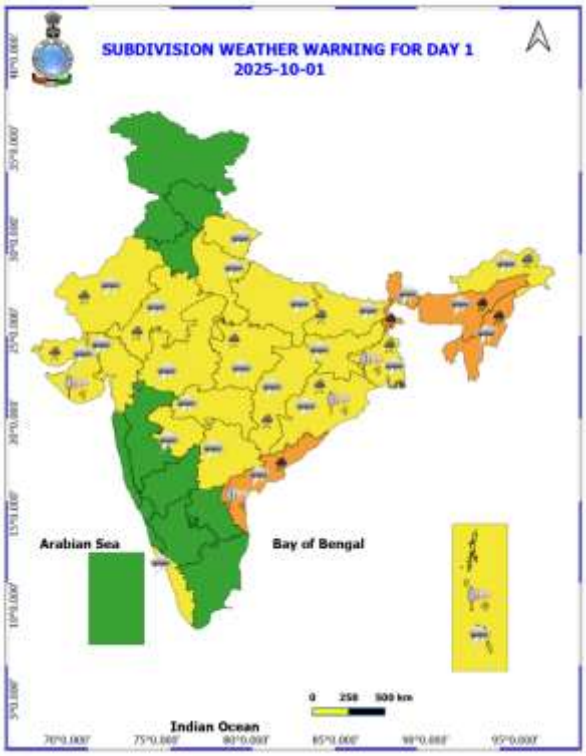
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-10-01
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

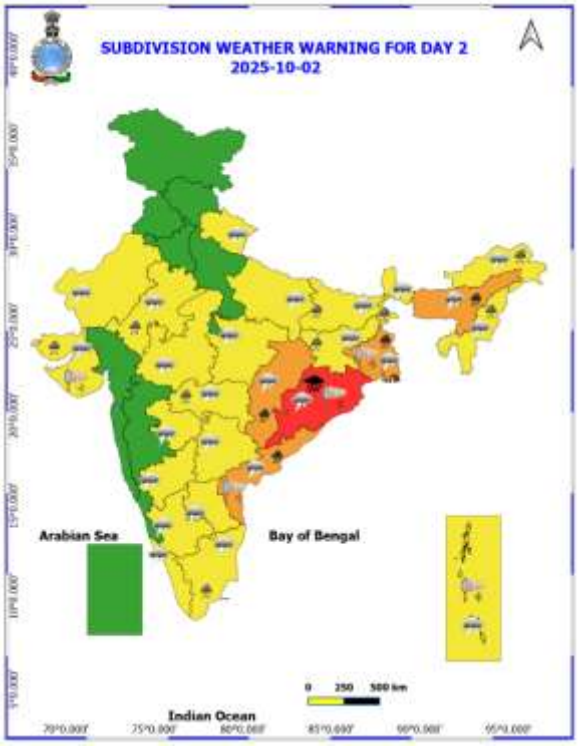
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-10-02
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

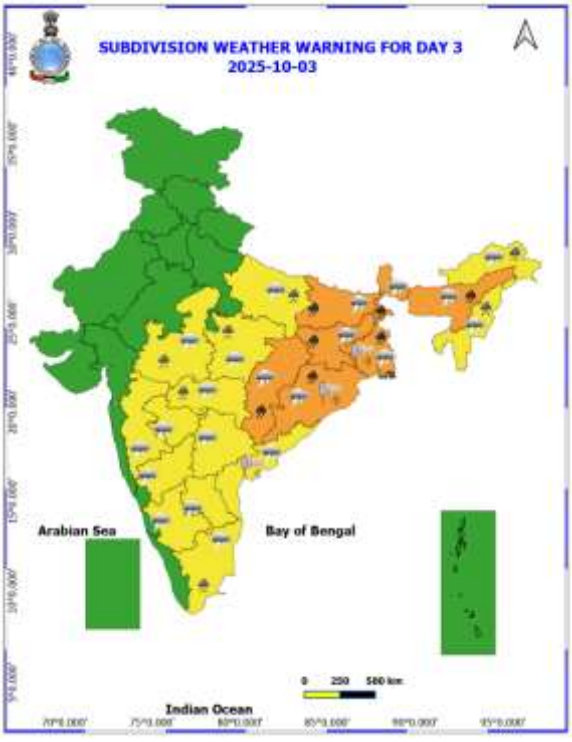
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-10-03
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

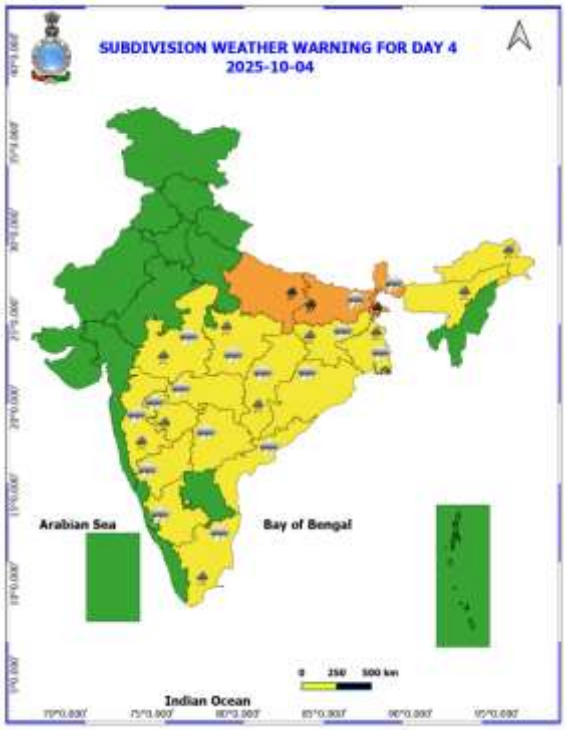

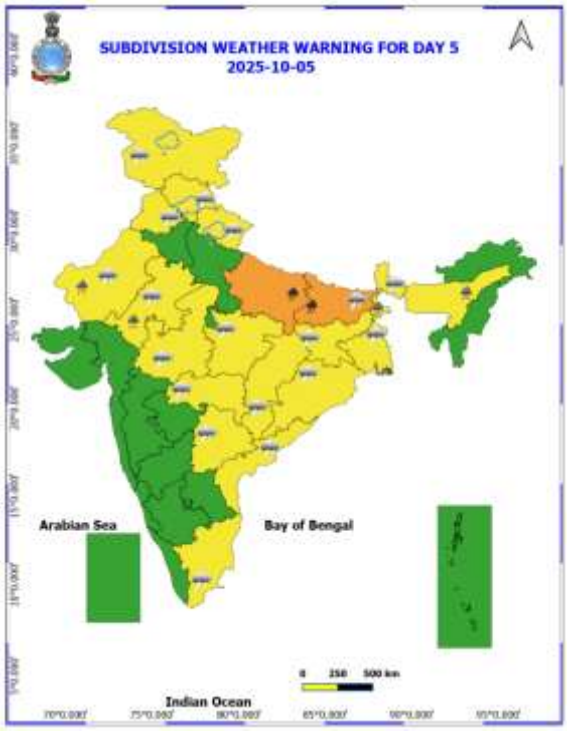

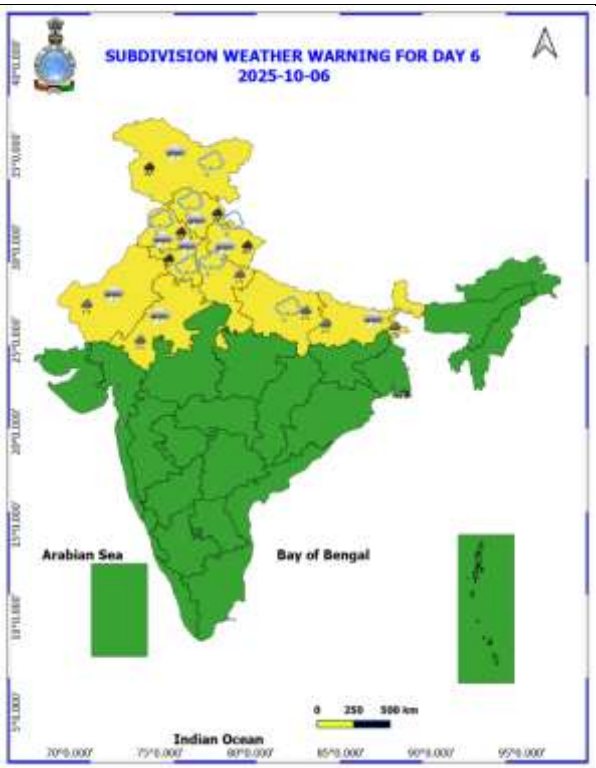

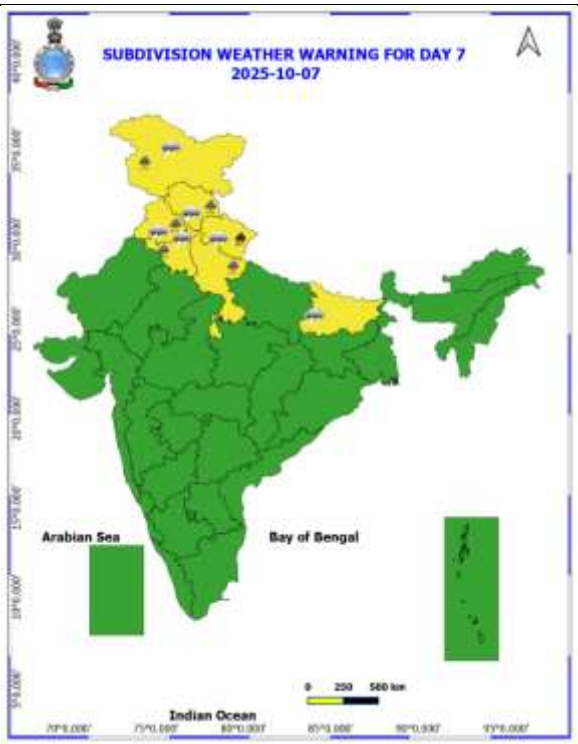

- **नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।**
- **असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।**
- **जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।**

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है
https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक V

दिल्ली/एनसीआर में 01 से 04 अक्टूबर 2025 तक मौसम का पूर्वानुमान

पिछला मौसम: पिछले 24 घंटों में दिल्ली/एनसीआर में न्यूनतम तापमान में 3 - 5 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान में 1 - 3 डिग्री सेल्सियस की कमी दर्ज की गई है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 32 से 34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 22 से 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब था, जबकि अधिकतम तापमान सामान्य से 1 - 3 डिग्री सेल्सियस कम था। पिछले 24 घंटों में आमतौर पर बादल छाए रहे, और दक्षिण-पूर्व दिशा से 18 किमी/घंटा की रफ्तार के साथ हवा चल रही थी, जो कभी-कभी 30 किमी/घंटा तक पहुंच गई। दिल्ली में ज्यादातर स्थानों पर मध्यम बारिश/गरज के साथ बौछारें और कुछ स्थानों पर भारी बारिश दर्ज की गई। आज सुबह क्षेत्र में आमतौर पर बादल छाए रहे और दक्षिण-पूर्व दिशा से 10 किमी/घंटा से कम रफ्तार की हवा चली।

मौसम पूर्वानुमान:

01.10.2025: आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32 से 34 डिग्री सेल्सियस के दायरे में रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान सामान्य से कम रहेगा। प्रबल सतही हवा दोपहर के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से 10-15 किमी/घंटा की रफ्तार से चलेगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर 12 किमी/घंटा से कम हो जाएगी और दिशा दक्षिण-पूर्व रहेगी।

02.10.2025: आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। दोपहर/शाम के समय एक या दो बार बहुत हल्की से हल्की बारिश के साथ गरज की संभावना। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33 से 35 डिग्री सेल्सियस और 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के दायरे में रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 - 2 डिग्री सेल्सियस अधिक और अधिकतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा। प्रबल सतही हवा सुबह के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से 08-12 किमी/घंटा की रफ्तार से चलेगी। दोपहर में हवा की गति धीरे-धीरे बढ़कर 15 किमी/घंटा से कम हो जाएगी और दिशा दक्षिण-पूर्व रहेगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर 10 किमी/घंटा से कम हो जाएगी और दिशा दक्षिण-पूर्व रहेगी।

03.10.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33 से 35 डिग्री सेल्सियस और 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के दायरे में रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 - 2 डिग्री सेल्सियस अधिक और अधिकतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा। प्रबल सतही हवा सुबह के समय पूर्व दिशा से 08-12 किमी/घंटा की रफ्तार से चलेगी। दोपहर में हवा की गति धीरे-धीरे बढ़कर 15 किमी/घंटा से कम हो जाएगी और दिशा पूर्व रहेगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर 12 किमी/घंटा से कम हो जाएगी और दिशा दक्षिण-पूर्व रहेगी।

04.10.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34 से 36 डिग्री सेल्सियस और 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के दायरे में रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 - 2 डिग्री सेल्सियस अधिक और अधिकतम तापमान सामान्य से 1 - 2 डिग्री सेल्सियस अधिक रहेगा। प्रबल सतही हवा सुबह के समय पूर्व दिशा से 10-15 किमी/घंटा की रफ्तार से चलेगी। दोपहर में हवा की गति धीरे-धीरे कम होकर 10 किमी/घंटा से कम हो जाएगी और दिशा दक्षिण-पूर्व रहेगी। शाम और रात के समय हवा की गति बढ़कर 15 किमी/घंटा से कम हो जाएगी और दिशा दक्षिण-पूर्व रहेगी।

बहुत भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

- 02 अक्टूबर को ओडिशा में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा की संभावना है।
- 03 अक्टूबर को झारखंड, ओडिशा में; 02 और 03 को गंगीय पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़; 01, 03 और 04 को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; 03-05 के दौरान बिहार; 01-03 के दौरान असम और मेघालय; 01 को त्रिपुरा; 01 और 02 को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम; 04 और 05 को पूर्वी उत्तर प्रदेश; 06 को जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और 06 और 07 अक्टूबर को उत्तराखंड में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा (12-20 सेमी) की संभावना है।

अपेक्षित प्रभाव:

- निचले इलाकों और नदी तटों के कई हिस्सों में जलभराव/बाढ़।
- नगरपालिका सेवाओं (पानी, बिजली आदि) में स्थानीय और अल्पकालिक व्यवधान।
- यातायात प्रवाह में प्रमुख व्यवधान। प्रमुख सड़कें/स्थानीय ट्रेनें प्रभावित।
- बहुत पुरानी इमारतों और अनुरक्षित न की गई संरचनाओं के लिए खतरा, पेड़ों के गिरने की संभावना।
- निचले जल पुलों को पार करने वाली सड़कों का बंद होना।

सुझाई गई कार्रवाई:

- यातायात को प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया जाए।
- प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को अपनी आवाजाही सीमित करने की सलाह दी जाती है।

भारी / भारी से बहुत भारी / अत्यधिक भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- ओडिशा में, धान, रागी, मक्का, दालों, मूंगफली, कपास, तिल एवं सब्ज़ियों के खेतों और फलों के बागानों से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु उचित प्रावधान करें। मिर्च, भिंडी और बैंगन जैसी सब्ज़ियों की नर्सरी को प्लास्टिक कवर या पॉलीथीन शीट से ढकने की व्यवस्था करें।
- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में, इलायची एवं मिर्च (डल्ले खुर्सानी) की परिपक्व फसलों और कीवी के पके हुए फलों की कटाई करें और नुकसान से बचाव हेतु उपज को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें। धान, उड़द, मूंग, अदरक एवं सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु आवश्यक व्यवस्था करें। गांगेय पश्चिम बंगाल में, धान, मूंगफली एवं सब्जियों के खेतों और पान के बागानों से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु उचित प्रावधान करें।
- बिहार में, धान, मक्का और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त जल निकासी हेतु आवश्यक व्यवस्था करें।
- छत्तीसगढ़ में, धान, अरहर, उड़द, मक्का और सोयाबीन के खेतों में पर्याप्त जल निकासी सुविधाएं प्रदान करें।
- तटीय आंध्र प्रदेश में, धान, मक्का, अरहर, उड़द, कपास, गन्ना, मूंगफली, हल्दी एवं सब्जियों के खेतों तथा नारियल, सुपारी, केला, कॉफी और काली मिर्च के बागानों में पर्याप्त जल निकासी सुविधाएं प्रदान करें।
- अरुणाचल प्रदेश में, धान, मक्का, सब्ज़ियों और रागी जैसी परिपक्व फ़सलों की कटाई करें और नुकसान से बचाव हेतु उपज को उचित ढके हुए स्थान पर स्थानांतरित करें। भारी वर्षा के दौरान मटर की नई बुवाई और पत्तागोभी की रोपाई न करें और पहले से ही बोए गए / रोपे गए खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- असम में, साली धान, उड़द, मूंग और सब्ज़ियों के खेतों से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें। भारी वर्षा के दौरान पत्तागोभी की बुवाई और फूलगोभी की रोपाई न करें।
- मेघालय में, अदरक एवं सब्ज़ियों के खेतों और फलों के बागानों में उचित जल निकासी बनाए रखें।
- नागालैंड में, तिल, अदरक, नागा किंग मिर्च, बैंगन और जल्दी बोए गए झूम धान की कटाई जारी रखें और कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थान पर रखें।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- बागवानी फसलों, सब्जियों और युवा फलों के पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- **भारी वर्षा:** 64.5-115.5 मिमी; **बहुत भारी वर्षा:** 115.6-204.4 मिमी; **अत्यधिक भारी वर्षा: >**204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

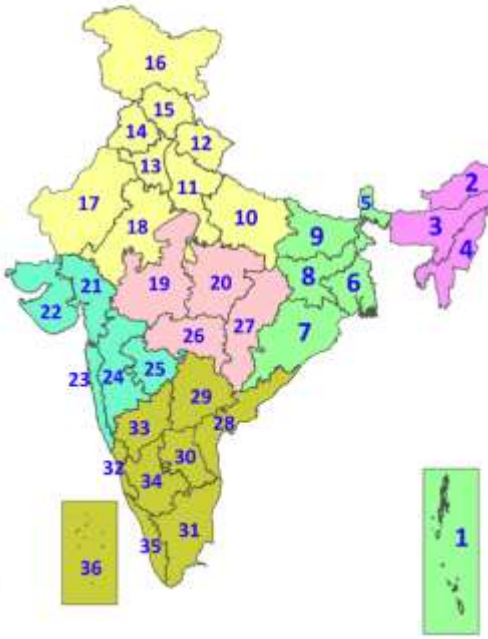

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds

Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds

Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)